शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

सत्यमेव जयते

भारतीय भाषा समिति
Bhartiya Bhasha Samiti

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

एवं

भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली

के सहतत्त्वावधान में

भारतीय भाषा परिवार

भारतीय भाषाई परंपरा और सभ्यता का पुनर्निर्माण

एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

दिनांक: 20 फरवरी 2026, शुक्रवार

कार्यक्रम स्थल

बहुउद्देशीय हॉल, रा.प्रौ.सं. सिक्किम

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF EDUCATION

सत्यमेव जयते

भारतीय भाषा समिति
Bhartiya Bhasha Samiti

एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

२० फरवरी २०२६

आयोजक

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

एवं

भारतीय भाषा समिति

मुख्य संरक्षक

आचार्य महेश चन्द्र गोविल
निदेशक, रा. प्रौ .सं . सिक्किम

संयोजक

डॉ. रवि श्रीवास्तव
कुलसचिव, रा. प्रौ. सं. सिक्किम

डॉ. धनन्जय त्रिपाठी
सह आचार्य, रा.प्रौ.सं. सिक्किम

समन्वयक

डॉ. अभिषेक राजन
सहायक आचार्य, रा.प्रौ.सं. सिक्किम

श्री विष्णु कुमार शर्मा
अधीक्षक, रा.प्रौ.सं. सिक्किम

आयोजन स्थल

बहुउद्देशीय हॉल, रा.प्रौ.सं. सिक्किम
दिनांक: 20 फरवरी 2026 , शुक्रवार

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान - संक्षिप्त परिचय

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम राज्य में स्थित एक उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान संस्थान है। संस्थान की स्थापना वर्ष 2010 में भारत सरकार द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत संसद के अधिनियम द्वारा की गई। संस्थान को भारत की संसद से 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' का दर्जा प्राप्त है और यह तकनीकी, विज्ञान एवं मानविकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन तैयार करने हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। संस्थान शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत है तथा मंत्रालय द्वारा संस्थान को शैक्षणिक स्वायत्तता प्राप्त है।

अगस्त 2010 से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, रावंगला स्थित अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है। संस्थान के स्थायी परिसर के निर्माण हेतु सिक्किम सरकार द्वारा गंगटोक ज़िले के खामडोंग, डुंग-डुंग ब्लॉक में आवंटित 100 एकड़ भूमि हस्तांतरित की जा चुकी है। स्थायी परिसर का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसके अगले डेढ़ वर्षों में पूर्ण होने की संभावना है। वर्तमान अस्थायी परिसर की विभिन्न कमियों के बावजूद, संस्थान शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने हेतु आवश्यक अधोसंरचनात्मक एवं अकादमिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयासरत है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने अपनी शैक्षणिक यात्रा कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी तथा विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रमों के साथ प्रारंभ की थी। वर्तमान में संस्थान में लगभग 1000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यह संस्थान सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग (AI-ML), विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम संचालित करता है। स्नातकोत्तर स्तर पर कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पावर एवं इलेक्ट्रिक ड्राइव्स), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी तथा रसायन विज्ञान में कार्यक्रम उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान सभी इंजीनियरिंग शाखाओं, विज्ञान एवं मानविकी विषयों में पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालित करता है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का ध्येय अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान-आधारित नवाचार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर के सक्षम नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उद्यमशीलता, प्रबंधकीय दक्षताओं एवं नवाचार-संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

सम्मेलन की अवधारणा

एकदिवसीय सम्मेलन "भारतीय भाषा परिवार" का उद्देश्य भाषाविज्ञान, शिक्षा, अनुवाद तथा भाषा-नीति के क्षेत्र से जुड़े विद्वानों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एक साझा अकादमिक मंच पर एकत्र करना है। यह सम्मेलन दो महत्वपूर्ण विद्वत् कृतियों— BHARATIYA BHASHA PARIWAR: A NEW FRAMEWORK IN LINGUISTICS (भारतीय भाषा परिवार: ए न्यू फ्रेमवर्क इन लिंग्विस्टिक्स) तथा COLLECTED STUDIES ON BHARATIYA BHASHA PARIWAR: PERSPECTIVES AND HORIZONS (कलेक्टेड स्टडीज़ ऑन भारतीय भाषा परिवार: पर्सपेक्टिव्स एंड होराइज़न्स)—के विमर्श के माध्यम से भारतीय भाषाओं के अध्ययन में उभरते वैकल्पिक वैचारिक ढाँचे पर केंद्रित होगा।

उक्त कृतियाँ औपनिवेशिक भाषायी वर्गीकरणों से आगे बढ़ते हुए भारतीय भाषाओं और संस्कृतियों की ऐतिहासिक, संरचनात्मक तथा वैचारिक अंतर्संबद्धता को रेखांकित करती हैं और भाषाविज्ञान में एक नए प्रतिमान का प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। सम्मेलन का उद्देश्य इन ग्रंथों में निहित अवधारणाओं, पद्धतियों और निष्कर्षों की समालोचनात्मक समीक्षा करना तथा भाषाविज्ञान, शिक्षा-नीति, मातृभाषा-आधारित शिक्षण, अनुवाद-अध्ययन और डिजिटल भाषा नवाचार के संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना है।

संवादात्मक समीक्षाओं के माध्यम से यह सम्मेलन भाषायी चिंतन के उपनिवेशमुक्तिकरण, भारत की बहुभाषिक एकता के सुदृढ़ीकरण तथा भारतीय भाषा-संपदा के समावेशी और समकालीन बोध को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक विमर्श प्रस्तुत करेगा।

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

सत्यमेव जयते

भारतीय भाषा समिति
Bhartiya Bhasha Samiti

सम्मेलन का उद्देश्य

- BHARATIYA BHASHA PARIWAR: A NEW FRAMEWORK IN LINGUISTICS (भारतीय भाषा परिवार: ए न्यू फ्रेमवर्क इन लिंग्विस्टिक्स) तथा COLLECTED STUDIES ON BHARATIYA BHASHA PARIWAR: PERSPECTIVES & HORIZONS (कलेक्टेड स्टडीज़ ऑन भारतीय भाषा परिवार: पर्सपेक्टिव्स एंड होराइज़न्स) का व्यापक प्रचार-प्रसार कर भारतीय भाषाओं के अध्ययन में प्रस्तावित नवीन वैचारिक ढाँचे को अकादमिक समुदाय तक पहुँचाना।
- दोनों विद्वत् कृतियों पर आधारित समालोचनात्मक समीक्षात्मक सारांश एवं विश्लेषणात्मक प्रतिवेदन तैयार करना, जिनमें प्रमुख निष्कर्षों, शोधगत निहितार्थों तथा भावी अनुसंधान की संभावित दिशाओं को रेखांकित किया जाएगा।
- सम्मेलन के दौरान हुए विमर्श, चर्चाओं एवं विशेषज्ञ टिप्पणियों का संकलन कर एक प्रामाणिक संदर्भ-दस्तावेज़ का निर्माण करना, जो भाषावैज्ञानिक अनुसंधान एवं शैक्षिक/भाषा-नीति निर्माण में उपयोगी सिद्ध हो सके।
- भारतीय भाषाओं, अनुवाद-अध्ययन तथा भाषावैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत विद्वानों एवं संस्थानों के बीच अंतर्विषयी अकादमिक सहयोग और नेटवर्किंग को सुदृढ़ करना।
- अकादमिक संस्थानों, मीडिया माध्यमों तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से इन ग्रंथों में प्रतिपादित विचारों का व्यापक प्रसार सुनिश्चित करना, जिससे भारत की भाषायी एकता और बहुलता पर सार्थक एवं सतत बौद्धिक संवाद को प्रोत्साहन मिल सके।

संभावित विशेषज्ञ

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
एवं इसके अंतर्गत आने वाले संस्थानों से विशेषज्ञ

कार्यक्रम सूची

पूर्वाह्न सत्र

- प्रथम सत्र: उद्घाटन सत्र एवं भारतीय भाषा परिवार पर दो विद्वतापूर्ण पुस्तकों का विमोचन
- द्वितीय सत्र: योगदानकर्ता द्वारा भारतीय भाषा परिवार से अंतर्दृष्टि

अपराह्न सत्र

- प्रथम सत्र: भारतीय भाषाओं पर चर्चा
- द्वितीय सत्र: समापन सत्र

आयोजक समिति

- डॉ. रंजन बसाक, अधिष्ठाता
- डॉ. अचिन्तेश नारायण बिस्वास, अधिष्ठाता
- डॉ. जीतेंद्र सिंह, सहायक आचार्य
- श्री साहिल मिंडा, सहायक कुलसचिव
- श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, वैज्ञानिक अधिकारी
- श्री सुमित कुमार, तकनीकि सहायक
- श्री सुनील कुमार कुशवाह, तकनीकि सहायक
- श्रीमति सोनम चोडेन तमांग, कनिष्ठ सहायक
- श्री राजेश कुमार गुप्ता, कनिष्ठ सहायक

पञ्जीकरण लिंक

ईमेल के द्वारा शीघ्र ही शाझा किया जाएगा

बहुभाषी भारत – सांस्कृतिक समृद्धि का आधार

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

रावंग्ला, नाम्ची, सिक्किम – 737139